

ख़बर संक्षेप

अंत्योदय योजनाओं की राशि जारी करेंगे सीएम चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सैनी सुबह दस बजे सोमवार को हरियाणा निवास में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में अंत्योदय योजनाओं के तहत दी जाने वाली मासिक वित्तीय सहायता राशि का वितरण करेंगे। मुख्यमंत्री हर माह इस सहायता राशि को सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में ट्रांसफर करते हैं।

हारट्रोन कर्मचारी मांगों को लेकर सीएम से मिले

चंडीगढ़। पार्ट-टू और हारट्रोन कर्मचारियों की वर्षों पुरानी नियमितीकरण की मांग को लेकर चल रहे प्रयासों के बीच कर्मचारी प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की। कालका विधायक शक्ति राणी शर्मा की मौजूदगी में हुई बैठक में कर्मचारियों ने नियमितीकरण से जुड़े कानूनी तथ्यों, प्रशासनिक दस्तावेजों और अपनी प्रमुख मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि पार्ट-टू और हारट्रोन कर्मचारी लंबे समय से विभिन्न विभागों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कर्मचारियों ने उनकी सेवाओं को नियमित करने की मांग रखी।

चैरिटेबल ट्रस्ट ने लगाया

227वां अन्न भंडारा पंचकूला। पुरुषोत्तम दास रुग्ंटा चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से पंचकूला के औद्योगिक क्षेत्र फेज-1 में 227वां अन्न भंडारा आयोजित किया गया। इसमें जरूरतमंद लोगों, श्रमिकों, राहगीरों और आम नागरिकों को ताजा एवं पौष्टिक भोजन निशुल्क वितरित किया गया। ट्रस्ट के संस्थापक एवं समाजसेवी अमिताभ रुग्ंटा ने कहा कि व्यक्तियों और सामाजिक संस्थाओं के सामूहिक प्रयासों से अभियान आगे बढ़ रहा है।

होमगार्ड के बेटे की हत्या में लापरवाही के आरोप में दो पुलिसकर्मी सस्पेंड

■परिजनों का आरोप पुलिस ने रजिश की शिकायत पर नहीं की कार्रवाई

■ हुक्का विवाद में आरोपियों ने सागर की चाकू धोपकर कर दी थी हत्या

हरिभूमि न्यूज़ ►► गुरुग्राम

फर्रुखनगर एरिया में 22 वर्षीय युवक सागर की हत्या के मामले में पुलिस की लापरवाही सामने आने पर दो पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। फर्रुखनगर थाना एसएचओ महेंद्र सिंह ने हेड कांस्टेबल अशोक और कांस्टेबल विनोद के निलंबन की पुष्टि की है। दोनों के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है।

दरअसल, बीती 6 अगस्त को होमागार्ड मुन्नीलाल के बेटे सागर की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गई थी। आरोप है कि हुक्का भरने को लेकर हुए विवाद के बाद करीब 20-25 लोगों ने सागर और उसके भाई शंकर का पीछा किया। दोनों भाई शंकर बचाने के लिए घर में घुसे, लेकिन हमलावर घर में भी घुस गए और सागर पर चाकुओं से हमला कर दिया। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर



गुरुग्राम। जाम लगाने पर परिजनों को समझाने पहुंचे पुलिस अधिकारी।

दिया। घटना के बाद ग्रामीणों ने पुलिस कार्रवाई के विरोध में पटौदी-कुलाना रोड पर जाम लगाया था। परिजनों के अनुसार, इससे पहले 3 अगस्त को सागर के पिता मुन्नीलाल और भाई शंकर के साथ विवाद हुआ था। मुन्नीलाल ने इसकी शिकायत पुलिस को दी थी। परिवार का आरोप है कि शिकायत पर समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, जिसके बाद विवाद ने खूनी रूप ले लिया।

अब तक 9 आरोपी काबू

मामले में फर्रुखनगर काइम बांच की टीम ने कार्रवाई करते हुए आजादगढ़, रोहतक से नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान ओम, साहिल, गौतम, सवेत उर्फ मुन्ना, विजय कुमार, सुनील उर्फ अभिषेक उर्फ खोटा, मंदीप उर्फ डिप्पी, अश्वनी और अनुब उर्फ विनू के रूप में हुई है। ये सभी झज्जर, सोनीपत और गुरुग्राम के अलग-अलग गांवों के रहने वाले हैं।

हरियाणा के मुख्यमंत्री से मिल चुके पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम, बन रहा चुनावी माहौल नायब सैनी की पंजाब में सक्रियता के बीच अकाली दल की भाजपा से बड़ी नजदीकी, नए समीकरणों की आहट

भाजपा का सार्वजनिक रुख फिलहाल पंजाब में अपने दम पर चुनावी तैयारी करने का

योगेद शर्मा ►► चंडीगढ़

पंजाब में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल अभी से तेज होने लगी है। सत्ताकूट आम आदमी पार्टी जहां जनसंपर्क अभियान और विकास योजनाओं के जरिए अपनी जमीन मजबूत करने में जुटी है, वहीं शिरोमणि अकाली दल की बढ़ती सक्रियता ने नए राजनीतिक समीकरणों की चर्चाओं को हवा दे दी है।

अकाली दल के अध्यक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल की भाजपा

नारनौल से गूंजा नशामुक्त हरियाणा का संदेश, तिरंगा लेकर दौड़े हजारों युवा

■मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पांच किलोमीटर दौड़ लगाकर बढ़ाया युवाओं का हौसला

मुख्यमंत्री ने हर घर तिरंगा अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

शहर के नूनी शेखपुरा मोड़ पर रविवार को यूथ मैराथन एवं तिरंगा यात्रा में जनसैलाब उमड़ पड़ा। तिरंगा हाथों में लेकर बड़ी संख्या में युवाओं और नागरिकों ने मैराथन में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और स्वयं पांच किलोमीटर दौड़ में शामिल होकर युवाओं का उत्साह बढ़ाया। आयोजन के माध्यम से नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवन अपनाने और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया गया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जब प्रदेश के युवा सुबह-सुबह हाथ में तिरंगा लेकर दौड़ने निकलते हैं तो यह केवल विकास नहीं, बल्कि जागरूकता, राष्ट्रभक्ति और उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ते कदम का प्रतीक है। विकसित भारत की सुंदर तस्वीर हाथ में तिरंगा, जीवन में खेल और मन में नशामुक्त भारत के संकल्प से बनती है। उन्होंने कहा कि मैराथन केवल कुछ किलोमीटर की दौड़ नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन और नशे के अंधकार से उजाले की ओर बढ़ने का संकल्प है। नारनौल की धरती से पूरे हरियाणा में यह संदेश जाना चाहिए कि नशा जीवन को समाप्त करता है, जबकि खेल जीवन को संवारता है। 26 जुलाई को यमुनानगर से शुरू हुई जन-जागरण की मशाल अब नारनौल में और अधिक प्रचलित दिखाई दे रही है। युवाओं का उत्साह बताता है कि हरियाणा नशे के खिलाफ निर्णायक लड़ाई के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन हर घर तिरंगा अभियान का भी साक्षी है। वर्ष 2022 में आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान शुरू हुआ यह अभियान अब जनआंदोलन बन चुका है।



महिला वर्ग में भारती और पुरुष वर्ग में मोहित प्रथम

मुख्यमंत्री ने 10 किलोमीटर मैराथन के महिला वर्ग में प्रथम स्थान हासिल करने वाली भारती को एक लाख रुपये, द्वितीय सोनिका को 50 हजार और तृतीय स्थान पर रही नीता राणी को 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया। पुरुष वर्ग में प्रथम मोहित, द्वितीय गौरव और तृतीय शुभम रहे। पांच किलोमीटर पुरुष वर्ग में प्रथम केशव, द्वितीय अमित और तृतीय साहिल को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। महिला वर्ग में प्रथम कोमल, द्वितीय आरती और तृतीय जागृति को भी मोमेंटो प्रदान किए गए। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव, सांसद धर्मबीर सिंह, नारनौल विधायक ओमप्रकाश यादव, महेंद्रगढ़ विधायक कंवर सिंह यादव सहित जिले के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

लिव-इन रिलेशनशिप पर प्रतिबंध लगाए सरकार : गठवाला खाप

गोहाना। गांव छिछड़ाना में रविवार को गठवाला खाप के चबूतरे पर खाप प्रतिनिधियों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता खाप के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप मलिक ने की। इसमें विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर विचार-विमर्श करते हुए लिव-इन रिलेशनशिप पर प्रतिबंध लगाने, प्रेम विवाह में लड़के और लड़की के माता-पिता की सहमति अनिवार्य करने तथा नशे पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप मलिक ने कहा कि लिव-इन रिलेशनशिप और प्रेम विवाह के कारण सामाजिक ताना-बाना कमजोर हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को लिव-इन रिलेशनशिप पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना



चाहिए और प्रेम विवाह के लिए लड़के और लड़की के माता-पिता की सहमति अनिवार्य करने का कानून बनाना चाहिए। खाप के राष्ट्रीय महासचिव अशोक मदीना, प्रदेश अध्यक्ष रामकुंवार मलिक और संयुक्त सचिव समुंद्र सिंह मलिक ने कहा कि नशा समाज के लिए गंभीर समस्या है। इस पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र मलिक, रामरूप मलिक और कोषाध्यक्ष संदीप मलिक ने भी इसका विरोध किया।

खड़े कैंटर से स्कूटी टकराई, दो की मौत

गुरुग्राम। झारका एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार स्कूटी सड़क पर खड़े कैंटर से टकरा गई। इस हादसे में स्कूटी सवार युवक-युवती की मौत हो गई, जबकि उनकी एक अन्य महिला मित्र गंभीर रूप से घायल हो गई। फिलहाल उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के मुख्य चश्मदीद सेक्टर-106 स्थित बाबूपुर गांव के रहने वाले रियल एस्टेट कारोबारी पंकज स्वामी ने पुलिस को घटना की पूरी जानकारी दी। पंकज ने बताया कि वह कल शाम को अपने निजी काम से एलान मिरेकल मॉल सेक्टर-83 गए थे। रात करीब 8:00 बजे जब वह अपना काम निपटाकर अपनी कार से झारका एक्सप्रेसवे के रास्ते वापस आने लगे थे, तभी रास्ते में यह हादसा देखा। पंकज ने बताया कि जब वह बीपीटीपी सोसाइटी के सामने फ्लाईओवर के ऊपर पहुंचा, तो कार के ठीक आगे-आगे एक स्कूटी जा रही थी। उस स्कूटी पर 2 युवती व एक युवक सवार थे। युवक स्कूटी चला रहा था। इसी दौरान हादसा हो गया।

■ एक युवती की हालत गंभीर

अपने गांव लौट रहे थे, तभी रास्ते में यह हादसा देखा। पंकज ने बताया कि जब वह बीपीटीपी सोसाइटी के सामने फ्लाईओवर के ऊपर पहुंचा, तो कार के ठीक आगे-आगे एक स्कूटी जा रही थी। उस स्कूटी पर 2 युवती व एक युवक सवार थे। युवक स्कूटी चला रहा था। इसी दौरान हादसा हो गया।

पंजाब में लगातार कार्यक्रमों में जा रहे मुख्यमंत्री सैनी

पूरे घटनाक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की भूमिका को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री बनने के बाद भाजपा नेतृत्व ने उन्हें पंजाब में पार्टी के संगठनात्मक और राजनीतिक विस्तार की जिम्मेदारी सौंप रखी है। सैनी लगातार पंजाब में पार्टी संगठन को मजबूत करने के साथ विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक वर्गों के लोगों से सवाद कर रहे हैं। हरियाणा और पंजाब के बीच भौगोलिक, सामाजिक और राजनीतिक संबंध होने के कारण सैनी की भूमिका और महत्वपूर्ण हो जाती है। यही वजह है कि सुखबीर बादल की उनसे चंडीगढ़ में हुई मुलाकात को पंजाब की आगामी राजनीति के संदर्भ में अहम माना जा रहा है। हालांकि, इस मुलाकात में किन मुद्दों पर चर्चा हुई, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

पंजाब के समाना में गूंजा गोसेवा का संदेश



■ गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित गोकथा समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी

वर्ष 2014 से पहले हरियाणा में केवल 200 गोशालाएं थीं और उनका वार्षिक बजट महज दो करोड़ रुपये था। वर्तमान सरकार ने गोसंरक्षण को प्राथमिकता देते हुए गोशालाओं की संख्या बढ़ाकर 650 कर दी है और बजट को बढ़ाकर 600 करोड़ रुपये किया गया है। इन गोशालाओं में चार लाख से अधिक बेसहारा गोवंश का पालन-पोषण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गोवंश को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश की 350 गोशालाओं में बड़े शेड और सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए हैं। नई गोशालाओं की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए अन्य प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं।

कांवड़ यात्रा के दौरान दो श्रद्धालुओं की मौत, अचानक बिगड़ी तबीयत

■दोनों मामलों में हृदयघात की आशंका, पुलिस ने शुरु की जांच

सोनीपत। कांवड़ यात्रा के दौरान जिले में अलग-अलग स्थानों पर दो कांवड़ियों की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। दोनों मामलों में प्रारंभिक तौर पर हृदयघात की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। पहली घटना खरखौदा क्षेत्र में आनंदपुर झरोटे गांव के पास हुई। झज्जर जिले के खातीवास गांव निवासी राजेंद्र हरिद्वार से कांवड़ लेकर साथियों के साथ लौट रहे थे। रास्ते में बारिश में भीगने के बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और उन्हें ठंड लगने लगी। साथियों ने उन्हें कंबल ओढ़ाया और तुरंत खरखौदा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।दोनों मामलों में फिलहाल अचानक तबीयत बिगड़ने और संभावित हृदयघात को मौत की वजह माना जा रहा है।

फरीदाबाद में गोली लगने से युवक की मौत

फरीदाबाद। शहर के खंड बी, जवाहर कॉलोनी के पास रविवार दोपहर लाइसेंसी रिवाल्वर साफ कर रहे युवक की गोली लगने से मौत हो गई। गोली चलने की आवाज सुनते ही परिवार के लोग तुरंत तरुण के कमरे की तरफ दौड़े। कमरे में पहुंचते ही उन्होंने तरुण को लहलुहाल हालत में देखा। बताया जा रहा है कि गोली जबड़े के पास लगी और सिर के ऊपर से निकल गई। गंभीर हालत में परिजन उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उनका इलाज शुरू किया। हालांकि, उपचार के दौरान कुछ घंटे बाद तरुण यादव ने दम तोड़ दिया। गोली लगने की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस।परिजनों ने पुलिस को बताया कि तरुण यादव दोपहर करीब 1 बजे अपने कमरे में लाइसेंसी रिवाल्वर की सफाई कर रहे थे। इसी दौरान अचानक गोली चलने की आवाज सुनाई दी। इसके बाद परिवार के लोग कमरे में पहुंचे तो तरुण गंभीर रूप से घायल मिले।

विभाजन की पीड़ा सुन आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं : डॉ. मिट्ठा

हरिभूमि ब्यूरो ►► चंडीगढ़

भाजपा मुख्यालय पंचकमल के अटल सभागार में रविवार को 'विभाजन की विभीषिका स्मृति दिवस' पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 1947 में देश के विभाजन के बाद पलायन कर भारत आए शरणार्थियों और उनके परिवारजनों को विशेष रूप से आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण मिट्ठा और मुख्य वक्ता विधायक घनश्याम दास अरोड़ा रहे। डॉ. कृष्ण मिट्ठा ने विभाजन के दौर की



पीड़ा का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय हुई वीभत्स घटनाओं के बारे में सुनकर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। आजादी के जश्न के बीच देश के विभाजन की सोच कैसे पैदा हुई, यह पीड़ादायक है। धर्म और अपने परिवारों की रक्षा के लिए अपना सबकुछ गंवाकर भारत आए करोड़ों लोगों को नमन है।मुख्य वक्ता विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि विभाजन का दर्द

केवल पंजाब ने ही नहीं, बल्कि बंगाल ने भी सहा है। जिला अध्यक्ष अजय मित्तल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में नगर महापौर श्यामलाल बंसल, चेयरमैन ओमप्रकाश देवीनगर, चेयरमैन जसमेर सिंह बंजारा, नगर परिषद जयमैन कृष्ण लाम्बा, कार्यक्रम संयोजक रंजीता मेहता, सहसंयोजक भारत हितैषी सहित अन्य मौजूद रहे।

13 अगस्त को फिर होगी हरियाणा मंत्रिपरिषद की बैठक

अंबाला छावनी फ्री होल्ड समेत कई मुद्दों पर चर्चा संभव



चंडीगढ़। हरियाणा मंत्रिपरिषद की बैठक एक बार फिर 13 अगस्त को होगी। बैठक दोपहर बाद तीन बजे हरियाणा सिविल सचिवालय स्थित मुख्य सभा कक्ष में होगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में सभी मंत्री और राज्य मंत्री शामिल होंगे। सामान्य प्रशासन विभाग के मंत्रिमंडल अनुभाग की ओर से 9 अगस्त को बैठक का कार्यक्रम जारी किया गया है। हालांकि, बैठक के एजेंडे में शामिल प्रस्तावों की जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। बैठक में सरकार से जुड़े विभिन्न प्रशासनिक और नीतिगत मामलों पर चर्चा के बाद महत्वपूर्ण फैसले लिए जाने की संभावना है। अंबाला छावनी क्षेत्र की जमीन को फ्री होल्ड करने के प्रस्ताव पर भी इस बैठक में दोबारा मंथन हो सकता है। इसके अलावा विधानसभा के मानसून सत्र की तारीख तय करने को लेकर भी चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है। बैठक को लेकर सभी प्रशासनिक सचिवों, विधि परामर्शी, सूचना, लोक संपर्क एवं भाषा विभाग के निदेशक तथा पुलिस के सीआईडी महानिरीक्षक को सूचना भेज दी गई है। राज्यपाल के सचिव को भी बैठक की जानकारी दी गई है। मंत्रिपरिषद के सचिव अनुराग रस्तोगी की ओर से जारी नोटिस में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

मानसून सत्र पर हो सकता है फैसला

इससे पहले 28 जुलाई को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक हुई थी। हालांकि, उस बैठक में विधानसभा के मानसून सत्र की तारीख तय होने की उम्मीद थी, लेकिन इस संबंध में कोई फैसला नहीं लिया गया था। अब 13 अगस्त की बैठक में सत्र की तारीख पर फैसला होने की संभावना है। माना जा रहा है कि 15 अगस्त के कार्यक्रमों के बाद अगस्त के अंतिम सप्ताह में विधानसभा सत्र बुलाया जा सकता है। यदि इस पर भी सहमति नहीं बनी तो सत्र सितंबर में आयोजित किया जा सकता है।गौरतलब है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पिछले एक सप्ताह में दो बार राज्यपाल असीम कुमार घोष से मुलाकात कर चुके हैं।



हरियाणा सरकार

DIRECTORATE of
MSME
GOVERNMENT OF HARYANA

“ एमएसएमई हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, जो रोजगार पैदा करते हैं और विकास को गति देते हैं। आसान ऋण से लेकर बाजार तक व्यापक पहुंच—हर सुधार का उद्देश्य छोटे और मध्यम बिजनेस को मजबूती प्रदान करना रहा है।”

- नरेन्द्र मोदी



हरियाणा के 60 गौरवशाली वर्षों के उपलक्ष्य में
एमएसएमई एवं निर्यात क्षेत्र के लिए 60 परिवर्तनकारी पहलें

हरियाणा प्रगतिशील एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन नीति 2026

उद्यम • विनिर्माण • निर्यात • रोजगार

15 लाख+

एमएसएमई राज्य में उद्यमिता
आधारित विकास को दे रहे हैं गति

23 जिले

हर जिले की अपनी औद्योगिक
ताकत और विकास की संभावनाएँ

96 लाख+

रोजगार के अवसर

विमोचन समारोह

📅 10 अगस्त, 2026 ⌚ दोपहर 12:00 बजे
📍 नूर महल बाय मैरियट इंटरनेशनल, करनाल



कार्यक्रम से जुड़ने के लिए
क्यू आर कोड स्कैन करें

मुख्य अतिथि

श्री नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री, हरियाणा

अध्यक्षता

राव नरबीर सिंह

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री, हरियाणा

नए सपने,
नई उड़ान,
MSME
बने

हरियाणा की
पहचान।



सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा



www.prharyana.gov.in

Follow us on



@diprharyana

चिंतन

सीमा सुरक्षा के साथ सतर्कता भी जरूरी

भारत-पाकिस्तान सीमा पर अमृतसर के दाउदे गांव में घुसपैठिए को बीएसएफ द्वारा मार गिराए जाने की घटना एक बार फिर याद दिलाती है कि सीमा सुरक्षा में छोटी-सी चूक भी बड़ी चुनौती का रूप ले सकती है। कंटीली तार के पास संदिग्ध गतिविधि, जवानों की सतर्कता, चेतावनी और उसके बाद हुई फ़ायरिंग पूरी घटना बताती है कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा बलों को हर समय सतर्कता बरतनी पड़ती है। सीमा पर यह घटना ऐसे समय हुई है, जब पाकिस्तान अपनी सैन्य क्षमताओं को तेजी से आधुनिक बनाने में जुटा है। रिपोर्टों के मुताबिक, पाकिस्तान ने भारत से लगे इलाकों में चीन निर्मित एसएच-15 व्हीलड सेल्फ-प्रोपेल्ड होवित्जर तैनात किए हैं। इनकी संख्या करीब 250 बताई जा रही है, हालांकि इस तैनाती की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन यदि यह आकलन सही है तो इसे केवल हथियारों की खरीद का मामला मानना उचित नहीं होगा। यह चीन और पाकिस्तान के बीच गहरे होते सैन्य एवं रणनीतिक सहयोग का एक और गंभीर संकेत है। एसएच-15 स्वचालित तोप ट्रक चेंसिस पर आधारित है और शूट एंड स्कूट क्षमता के कारण गोलीबारी के बाद तेजी से स्थान बदल सकती है। इससे जवाबी गोलाबारी का जोखिम कम होता है। लंबी दूरी तक मार करने वाली ऐसी प्रणालियां सीमा के पास तैनात होने पर किसी भी सैन्य संकर में दोनों पक्षों के लिए प्रतिक्रिया का समय घटा सकती हैं। यही वह पहलू है, जिसे भारत को गंभीरता से देखना चाहिए। चीन-पाकिस्तान सैन्य सहयोग की कहानी नई नहीं है। चीन के लिए पाकिस्तान एक रणनीतिक साझेदार होने के साथ-साथ उसके रक्षा उद्योग के लिए महत्वपूर्ण बाजार भी है, जबकि पाकिस्तान को अपेक्षाकृत कम लागत पर सैन्य आधुनिकीकरण और पश्चिमी देशों पर निर्भरता घटाने का अवसर मिलता है। भारत के लिए चुनौती इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि उसे एक साथ दो सीमाओं पर रणनीतिक परिस्थितियों पर नजर रखनी पड़ती है। पाकिस्तान की बढ़ती आर्टिलरी क्षमता, रॉकेट सिस्टम और अन्य सटीक मारक हथियारों के साथ चीनी तकनीक का मेल भविष्य के किसी संकट में सैन्य गणित को प्रभावित कर सकता है। अमृतसर की घटना इस बड़े परिदृश्य का जमीनी पहलू सामने रखती है। सीमा पर केवल भारी हथियारों की चुनौती नहीं है, बल्कि घुसपैठ, तस्करी, ड्रोन और संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी भी उतनी ही जरूरी है। इसलिए सीमा सुरक्षा को केवल जवानों की संख्या या हथियारों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। आधुनिक सेंसर, ड्रोन निगरानी, कैमरा नेटवर्क, बेहतर खुफिया तंत्र और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच ठेज सूचना-साझाकरण को और मजबूत करना होगा। भारत को पाकिस्तान की हर गतिविधि पर प्रतिक्रिया देने के बजाय अपनी निवारक क्षमता को इतना मजबूत करना होगा कि किसी भी संभावित दुस्साहस की कीमत स्पष्ट हो। साथ ही, संदिग्ध घुसपैठ की घटनाओं में सख्त कार्रवाई के साथ निष्पक्ष और न्यायात्मक जांच भी जरूरी है। चीन-पाकिस्तान का बढ़ता सैन्य तालमेल भारत के लिए निश्चित रूप से सतर्क रहने का संकेत है, लेकिन इसे अनावश्यक भय का कारण बनाना भी उचित नहीं। भारत की वास्तविक ताकत उसकी तकनीकी क्षमता, स्वदेशी रक्षा उत्पादन, खुफिया तैयारी और त्वरित प्रतिक्रिया में है। सख्द पर चौकसी जितनी जरूरी है, उतनी ही जरूरी दूरदर्शी रणनीति भी है। सीमा की सुरक्षा केवल कंटीली तार से नहीं, बल्कि मजबूत निगरानी, आधुनिक तकनीक और हर संभावित खतरे के लिए तैयार रणनीति से सुनिश्चित होगी।

मेटा पर सख्ती

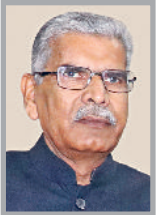
डॉ. मोनिका शर्मा



सुरक्षा-सम्मान से जुड़ी जवाबदेही लेनी होगी

मौजूदा दौर में हर मोर्चे पर डिजिटल होते जीवन में भी वर्चुअल प्लेटफॉर्मस नियमों से परे नहीं हो सकते। विशेषकर नागरिकों और देश की सुरक्षा के मामले में कोई समझौता नहीं किया जा सकता। हाल ही में भारत सरकार ने मेटा के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में यही बात स्पष्ट रूप कही है कि देश में काम करने वाले सभी डिजिटल प्लेटेफॉर्म को भारतीय कानूनों का पालन करना होगा। ध्यातव्य है कि सरकार द्वारा मेटा कंपनी से एआई, डीपफेक, बाल यौन शोषण सामग्री और कंटेंट मॉडरेशन पर भी जवाब मांगा गया है। आईटी नियमों को और सख्त करने का प्रस्ताव रखने के साथ ही कई अहम मुद्दों पर विस्तार से हुई चर्चा के बाद मेटा ने यह भी स्वीकार किया कि बहुत सारा गैरकानूनी कंटेंट प्रमोट किया गया और खास ऑडियंस के लिए पेड प्रमोशन किए गए। ज्ञात हो कि इन्हीं दिनों फेसबुक और इंस्टाग्राम की मनमानियों पर अमेरिकी अदालत ने भी एक अहम निर्णय दिया है। बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य से खिलवाड़ और सुरक्षा में गंभीर चूक के बाद मेटा को अरबों रुपये का हर्जाना भरने का आदेश दिया गया है। यह सख्त निर्णय इस कंपनी द्वारा अपने फायदे के लिए बच्चों की सुरक्षा, गोपनीयता और मानसिक सेहत को पूरी तरह दरकिनार करने के गंभीर आरोपों के बाद आया है गौरतलब है कि व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम एवं फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फेसबुक पोस्ट को भी कुछ समय के लिए हटाने के साथ-साथ बच्चों के यौन शोषण वाले कंटेंट, डीपफेक और बहुत सारा पैसा लेकर कुछ खास सामग्री को बढ़ावा देने जैसी खामियों के लिए माफी मांगी है। ज्ञात हो कि जेन जी आंदोलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा युवाओं से की गई अपील वाले वीडियो संदेश मेटा ने हटा दिया था। मोदी की पोस्ट को तकनीकी समस्या (ऑटोमेटेड फ़िल्टर की त्रुटि) को इसका कारण बताकर कुछ देर बाद बहाल कर दिया था। वहीं न्यू मैक्सिको की एक शीष अदालत के बाद अमेरिका में भी मेटा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जुकरबर्ग ने सार्वजनिक रूप से गलती मानते हुए प्लेटफॉर्म पर चार्ज्ड सेक्सुअल अब्यूज से जुड़ी सामग्री को रोकने में व्यवस्थागत असफलता की बात स्वीकार की है। साथ ही इस लापरवाही के लिए सुरक्षा प्रणालियों को बेहतर बनाने का आश्वासन भी दिया है। दरअसल, बात माफी मांगने से कहीं ज्यादा जवाबदेही लेने की है। इसके लिए कड़े नियम भी जरूरी हैं और मेटा कंपनी में दायित्वबोध का भाव भी। हालिया वर्षों में देश में होने वाली राजनीतिक घटनाएं हों या चर्चित चेहरों जुड़ा कंटेंट- बाल यौन शोषण से जुड़ी सामग्री हो या कंटेंट मॉडरेशन अपने फायदे के अनुसार नकारात्मक सामग्री को बढ़ावा देने की प्रवृत्ति स्पष्ट दिखती है। यही वजह है कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने भी सोशल मीडिया कंपनी मेटा को कथित पोर्नोग्राफी और अनुचित आयुवर्ग से संबंधित सामग्री अपने प्लेटफॉर्म पर दिखाने के विरुद्ध नोटिस जारी किया है। इसका सीधा सार अर्थ है कि इन प्लेटफॉर्म पर पॉक्सो कानून का उल्लंघन किया जा रहा है। ज्ञात हो कि यह नोटिस इंस्टाग्राम और फेसबुक पर चार्ज्ड सेक्सुअल अब्यूज मटेरियल की श्रेणी के तहत आ सकते हैं। ज्ञात हो कि 2025 में भी सोशल मीडिया पर बच्चों के अश्लील वीडियो परोसे जाने को लेकर सरकार ने आपत्ति जताई गई थी। बावजूद इसके ऐसी सामग्री को लेकर लापरवाही जारी है। समझना मुश्किल नहीं कि हमारी देश में ही नहीं, दुनियाभर में एल्गोरिदम का खेल खेलने वाली टेक कंपनी मेटा के सभी मंचों पर मुनाफे की सोच हावी है। विचारणीय है कि हमारे देश में सोशल मीडिया पर परोसी या प्रमोट की जाने वाली सामग्री से कई चिंताएं और चुनौतियां जुड़ी हैं। भारत में अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे व्हाट्सएप पर करीब 56 करोड़, यू-ट्यूब पर करीब 50 करोड़, इंस्टाग्राम पर 48 करोड़, फेसबुक पर 40 करोड़, स्नेपचैट पर 21 करोड़ और एक्स पर 2 करोड़ से ज्यादा उपयोगकर्ता हैं। इनमें यूजर्स में युवाओं की संख्या ज्यादा है। अकेले इंस्टाग्राम पर 18 से 24 आयु वर्ग के 64 प्रतिशत युवा हैं। ऐसे में यहां साझा की जा रही सामग्री न केवल देश की बड़ी आबादी को प्रभावित करती है बल्कि सामाजिक-पारिवारिक और राजनीतिक परिवेश की दिशा से जुड़ी है। यही वजह है कि इनके नैतिक दायित्वों को याद दिलाने के साथ ही सख्त नियम बनाने और उनका पालन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक हो चला है। मेटा कंपनी के मनमानी रवैए पर केंद्र सरकार ने कहा है कि भारत में ऐसे जितने भी डिजिटल प्लेटफॉर्म काम कर रहे हैं, उन्हें भारतीय कानून का पालन करना ही होगा। साथ ही इस पहलू से जुड़ी चिंताओं के समाधान के लिए हर कदम उठाना होगा।

(लेखिका स्वर्नात्र रत्नभार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



शिक्षा के पंचतत्व

प्रो. रमेश चंद्र कुहाड़

प्रश्नपत्र लीक, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं तथा प्रवेश प्रक्रियाओं को लेकर उत्पन्न विवादों ने करोड़ों छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के मन में गहरी चिंता उत्पन्न की है। वर्षों की कठोर साधना, अथक परिश्रम और असंख्य सपनों का भविष्य जब कुछ क्षणों में संदेह के घेरे में आ जाता है, तब सबसे अधिक आहत विद्यार्थी नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता होती है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक त्रुटि या तकनीकी विफलता का परिणाम नहीं, शिक्षा व्यवस्था की संरचना, उत्तरदायित्व और संस्थागत स्वायत्तता पर गंभीर पुनर्विचार का आह्वान भी है। इन चुनौतियों का समाधान केवल कठोर कानूनों, दंडात्मक प्रावधानों अथवा आधुनिक तकनीकी निगरानी में नहीं खोजा जा सकता। स्थायी समाधान तभी संभव है, जब शिक्षा की मूल आत्मा, उसकी संस्थागत संरचना और शैक्षणिक उत्तरदायित्व को पुनः सुदृढ़ किया जाए। शिक्षा की संपूर्ण व्यवस्था पांच आधारभूत तत्व-प्रवेश, पाठ्यक्रम, पढ़ाई, परीक्षा और परिणाम पर आधारित है। यदि इनमें से कोई भी तत्व शिक्षा संस्थानों के नैतिक और शैक्षणिक नेतृत्व से बाहर चला जाता है, तो उत्तरदायित्व का स्वाभाविक क्षरण प्रारम्भ हो जाता है। उत्तरदायित्व का यह विखंडन अंततः पारदर्शिता को कमजोर करता है और वही परिस्थितियां प्रश्नपत्र लीक, अनियमितताओं तथा जनविश्वास के ह्रास जैसी समस्याओं को जन्म देती हैं। वर्तमान समय में शिक्षा व्यवस्था के अनेक महत्वपूर्ण कार्य विभिन्न बाहरी एजेंसियों के बीच विभाजित होते जा रहे हैं। प्रवेश प्रक्रिया कोई संस्था संचालित करती है, प्रश्नपत्र किसी अन्य एजेंसी द्वारा तैयार किए जाते हैं, परीक्षा किसी तीसरे तंत्र के माध्यम से आयोजित होती है और परिणाम भी कई स्तरों की बाहरी व्यवस्थाओं पर निर्भर हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में उत्तरदायित्व का स्पष्ट निर्धारण कठिन हो जाता है। जब उत्तरदायित्व बिखरता है, तब पारदर्शिता और जवाबदेही भी स्वतः कमजोर पड़

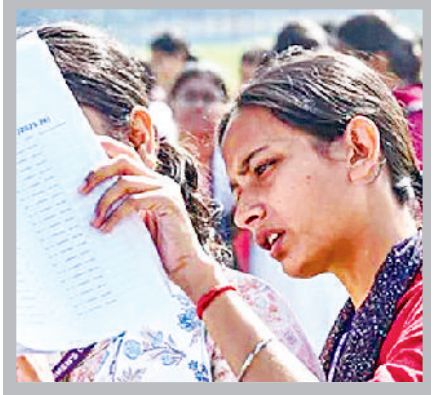
शिक्षा संस्थानों की अभिरक्षा का पुनर्निर्माण

किंसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके प्राकृतिक संसाधनों, आर्थिक संपन्नता अथवा तकनीकी प्रगति में नहीं, बल्कि उसकी शिक्षित, जागरूक, नैतिक और उत्तरदायी युवा पीढ़ी में निहित होती है। शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति के व्यक्तित्व, समाज की संस्कृति और राष्ट्र के चरित्र का निर्माण करने वाली सबसे प्रभावशाली शक्ति है। इसलिए जब शिक्षा व्यवस्था की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगते हैं, तब संकट केवल किसी परीक्षा, विश्वविद्यालय अथवा संस्था का नहीं होता; वह राष्ट्र के भविष्य, सामाजिक विश्वास और लोकतांत्रिक मूल्यों की विश्वसनीयता का संकट बन जाता है।

हाल के वर्षों में प्रश्नपत्र लीक, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं तथा प्रवेश प्रक्रियाओं को लेकर उत्पन्न विवादों ने करोड़ों विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के मन में गहरी चिंता उत्पन्न की है। वर्षों की कठोर साधना, अथक परिश्रम और असंख्य सपनों का भविष्य जब कुछ क्षणों में संदेह के घेरे में आ जाता है, तब सबसे अधिक आहत विद्यार्थी नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता होती है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक त्रुटि या तकनीकी विफलता का परिणाम नहीं है; यह शिक्षा व्यवस्था की संरचना, उत्तरदायित्व और संस्थागत स्वायत्तता पर गंभीर पुनर्विचार का आह्वान भी है। इन चुनौतियों का समाधान केवल कठोर कानूनों, दंडात्मक प्रावधानों अथवा आधुनिक तकनीकी निगरानी में नहीं खोजा जा सकता। स्थायी समाधान तभी संभव है, जब शिक्षा की मूल आत्मा, उसकी संस्थागत संरचना और शैक्षणिक उत्तरदायित्व को पुनः सुदृढ़ किया जाए। शिक्षा की संपूर्ण व्यवस्था पांच आधारभूत तत्व-प्रवेश, पाठ्यक्रम, पढ़ाई, परीक्षा और परिणाम पर आधारित है। यदि इनमें से कोई भी तत्व शिक्षा संस्थानों के नैतिक और शैक्षणिक नेतृत्व से बाहर चला जाता है, तो उत्तरदायित्व का स्वाभाविक क्षरण प्रारम्भ हो जाता है। उत्तरदायित्व का यह विखंडन अंततः पारदर्शिता को कमजोर करता है और वही परिस्थितियां प्रश्नपत्र लीक, अनियमितताओं तथा जनविश्वास के ह्रास जैसी समस्याओं को जन्म देती हैं। वर्तमान समय में शिक्षा व्यवस्था के अनेक महत्वपूर्ण कार्य विभिन्न बाहरी एजेंसियों के बीच विभाजित होते जा रहे हैं। प्रवेश प्रक्रिया कोई संस्था संचालित करती है, प्रश्नपत्र किसी अन्य एजेंसी द्वारा तैयार किए जाते हैं, परीक्षा किसी तीसरे तंत्र के माध्यम से आयोजित होती है और परिणाम भी कई स्तरों की बाहरी व्यवस्थाओं पर निर्भर हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में उत्तरदायित्व का स्पष्ट निर्धारण कठिन हो जाता है। जब उत्तरदायित्व बिखरता है, तब पारदर्शिता और जवाबदेही भी स्वतः कमजोर पड़

जाती है। परिणामस्वरूप किसी त्रुटि अथवा विफलता की स्थिति में दोष तो दिखाई देता है, परंतु उत्तरदायी व्यक्ति या संस्था स्पष्ट रूप से सामने नहीं आती। शिक्षा केवल परीक्षा आयोजित करने की प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है। यह शिक्षक, विद्यार्थी, पाठ्यक्रम, शोध, संवाद, मूल्यांकन और सतत बौद्धिक विकास के बीच निरंतर चलने वाली एक जीवंत प्रक्रिया है।

शिक्षक केवल विषय-विशेषज्ञ नहीं होता; वह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, चरित्र, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्माता होता है। यदि प्रवेश से लेकर परिणाम तक की संपूर्ण प्रक्रिया में शिक्षा



संस्थानों की भूमिका सीमित कर दी जाएगी, तो धीरे-धीरे उनका शैक्षणिक महत्व भी कम होने लगेगा। तब विद्यालय और विश्वविद्यालय केवल भवन बनकर रह जाएंगे, जबकि शिक्षा का वास्तविक केंद्र उनका बौद्धिक वातावरण, नैतिक संस्कृति और अकादमिक परंपरा होती है। निस्संदेह विद्यार्थियों की सुविधा, समान अवसर और राष्ट्रीय स्तर पर एकरूपता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अनेक प्रवेश प्रक्रियाओं का केंद्रीकरण किया गया है। सेंट्रल यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट जैसी व्यवस्थाओं ने विद्यार्थियों का समय, श्रम और आर्थिक व्यय कम करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। किंतु अनुभव यह भी दर्शाते हैं कि अनेक विश्वविद्यालयों में अपेक्षित संख्या में विद्यार्थी प्रवेश नहीं ले पा रहे हैं।

परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में सीटें रिक्त रह जाती हैं और बार-बार ओपन काउंसिलिंग आयोजित करनी पड़ती है। यह केवल प्रवेश प्रक्रिया का प्रश्न नहीं, बल्कि संस्थागत उत्तरदायित्व, स्थानीय शैक्षणिक आवश्यकताओं और विश्वविद्यालयों की सक्रिय भूमिका से भी जुड़ा विषय है। अतः आवश्यकता किसी एक छोर पर खड़े होकर केंद्रीकरण या विकेंद्रीकरण का समर्थन

जब मन अशांत हो, इष्टदेव के मंत्रों का करें जप

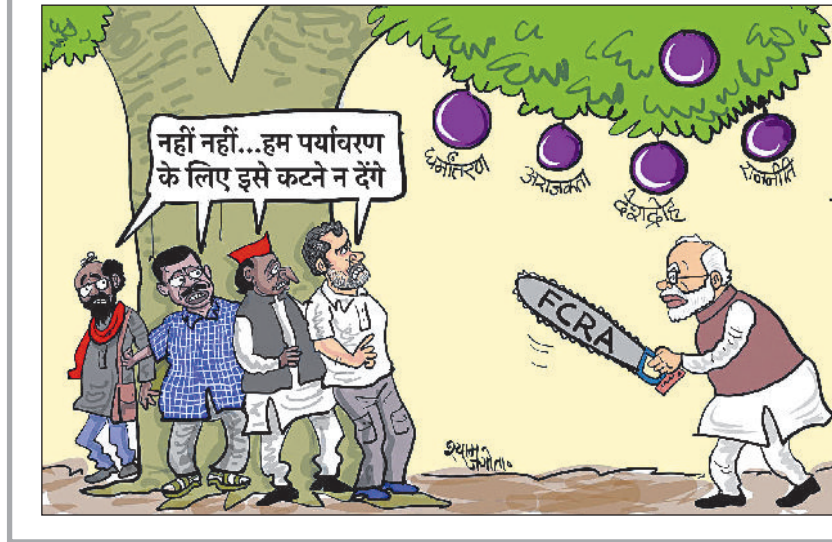


संकलित

दर्शन

शुकदेव राजा परीक्षित को कथा सुना रहे थे, उस समय राजा ने पूछा कि आजकल लोग इतने बेचैन क्यों हैं? लोगों का मन अशांत क्यों है? शुकदेव ने राजा को एक कथा सुनाई कि एक दिन पृथ्वी ने भी भगवान से यही बात पूछी थी। पृथ्वी ने भगवान से कहा था कि ये लोग जो खुद मौत के खिलौने हैं। ये सभी मुझे यानी धरती, राज्य जीतना चाहते हैं। अभी तक मुझे यानी धरती को कोई भी मृत्यु के बाद अपने साथ ऊपर नहीं ले जा सका है। लोग ये बात क्यों नहीं समझते हैं? शुकदेव ने राजा से कहा कि पृथ्वी ने ये सभी बातें भगवान से इसलिए कहीं थीं, कि धरती पर जो धन-संपत्ति है, वही सारे झगड़ों की जड़ है। सभी चाहते हैं कि मेरे पास दूसरों से ज्यादा वैभव हो, सभी इसी में लगे हुए हैं। जिस दिन इस दुनिया से जाएंगे, सब कुछ यहीं रह जाएगा। परीक्षित ने शुकदेव की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आजकल इतनी अशांति है तो शांति पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? शुकदेव ने कहा कि जब भी हमारा मन अशांत हो, हमें भगवान के नामों का जप करना चाहिए, ध्यान, पूजा-पाठ करना चाहिए। अपने इष्टदेव के नामों का जप करने से नकारात्मकता दूर होती है, मन शांत होता है। मंत्र जप से शरीर में जो परिवर्तन होते हैं, उनसे मन शांत होता है।

अंतर्मन



करंट अफेयर

चीन में सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भूमिका घटी

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) महिलाओं के अधिकारों की रक्षा को लंबे समय से अपनी उपलब्धियों में से एक बताती रही है। हालांकि, विभिन्न अध्ययनों से पता चला है कि चीन में हाल के वर्षों में सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भूमिका घटी है, खासकर राजनीतिक और नीतिगत नेतृत्व में शीर्ष स्तरों पर। चीन में सत्तारूढ़ सीपीसी ने लैंगिक समानता के लिए एक मार्गदर्शक सिद्धांत के तौर पर दशकों से माओ जेदोंग के इस प्रसिद्ध नारे को बढ़ावा दिया है कि महिलाएं आधा आसमान थामे हुए हैं। हालांकि, सीपीसी के मुखपत्र ‘पीपुल्स डेली’ में प्रकाशित विभिन्न लेखों के विश्लेषण पर आधारित एक नये अध्ययन की माने तो हाल के वर्षों में चीन के सरकारी मीडिया के विमर्श में बदलाव देखने को मिला है और इसमें मुख्य रूप से महिलाओं की घरेलू और पारिवारिक भूमिकाओं पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। सीपीसी दशकों से दावा करती आ रही है कि महिलाओं ने समाजवादी आधुनिकीकरण, सुधार और खुलापन लाने में सक्रिय भूमिका निभाई है। हालांकि, हांगकांग स्थित दो शोधकर्ताओं के मुताबिक, चीन के सरकारी मीडिया में 1990 के दशक के अंत में महिलाओं के चित्रण में व्यापक बदलाव दिखना शुरू हो गया।



निजता को चुकानी पड़ सकती है। या इनसे रिकॉर्ड की गई तस्वीरें आखिर कौन देख सकता है। यही वजह है कि शुक्रवार को संघीय अर्टर्नी-जनरल मिशेल रोलैंड ने ऑस्ट्रेलिया के निजता आयुक्त से इस तकनीक की तत्काल समीक्षा करने को कहा। तो क्या मौजूदा निजता कानून तकनीक की इस नयी लहर से निपटने के लिए पर्याप्त मजबूत है? स्मार्ट चश्मे कोई नयी चीज नहीं हैं। गूगल ने 2013 में ‘गूगल ग्लास’ पेश किया था। उस समय मीडिया में इसकी खूब चर्चा हुई और कई मशहूर हस्तियों ने भी इसका समर्थन किया।

विचार हरिभूमि 6

करने की नहीं, बल्कि संतुलित और उत्तरदायी व्यवस्था विकसित करने की है। यदि राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाएं आवश्यक समझी जाती हैं, तो भी प्रवेश प्रक्रिया के अंतिम चरणों, विषय चयन, शैक्षणिक परामर्श और प्रवेश प्रबंधन में विश्वविद्यालयों की भूमिका अधिक सशक्त होनी चाहिए। इससे शिक्षा के प्रथम पंचतत्व, प्रवेश का स्वाभाविक संबंध पुनः शिक्षा संस्थानों से स्थापित होगा। इसी प्रकार यदि सरकार व्यावसायिक पाठ्यक्रमों, सिविल सेवाओं अथवा अन्य राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रवेश परीक्षाओं की व्यवस्था बनाए रखना आवश्यक समझती है तो उनकी शैक्षणिक विश्वसनीयता, गोपनीयता, निष्पक्षता और शुचिता का नेतृत्व शिक्षा संस्थानों तथा अनुभवी शिक्षकों के हाथों में होना चाहिए। आधुनिक तकनीक, सूचना-प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ, प्रशासनिक अधिकारी और सुरक्षा एजेंसियां इस प्रक्रिया के आवश्यक सहयोगी अवश्य हों, किंतु परीक्षा की शैक्षणिक आत्मा का केंद्र शिक्षक ही रहना चाहिए। एक विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली केवल तकनीकी दक्षता से निर्मित नहीं होती। उसके लिए शिक्षकों, प्रशासकों, सूचना-प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों तथा सहयोगी कर्मचारियों के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। फिर भी उसकी शैक्षणिक विश्वसनीयता का मूल आधार शिक्षक ही होता है। शिक्षक के लिए शिक्षक केवल आजीविका नहीं, बल्कि ज्ञान, चरित्र और समाज के प्रति आजीवन नैतिक उत्तरदायित्व है। यदि हमें प्रश्नपत्र लीक जैसी घटनाओं पर स्थायी नियंत्रण स्थापित करना है, प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता पुनः स्थापित करनी है और समाज का विश्वास सुदृढ़ करना है, तो शिक्षा के पंचतत्व -प्रवेश, पाठ्यक्रम, पढ़ाई, परीक्षा और परिणाम को पुनः शिक्षा संस्थानों की अभिरक्षा, उत्तरदायित्व और नैतिक नेतृत्व में प्रतिष्ठित करना होगा।

यही शिक्षा की गरिमा, शिक्षक की प्रतिष्ठा और विद्यार्थी के उच्चल भविष्य की सबसे सुदृढ़ आधारशिला है। भारत यदि ज्ञान-आधारित, नवाचारी और विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प रखता है, तो उसे शिक्षा को केवल प्रशासनिक व्यवस्था नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चरित्र निर्माण की सर्वोच्च संस्था के रूप में देखना होगा। प्रवेश, पाठ्यक्रम, पढ़ाई, परीक्षा और परिणाम- ये पाँचों पंचतत्व तभी अपनी पूर्ण सार्थकता प्राप्त करेंगे, जब उनका संचालन उत्तरदायी, स्वायत्त और नैतिक शैक्षणिक नेतृत्व के अंतर्गत होगा। यही शिक्षा की विश्वसनीयता, शिक्षक की गरिमा, विद्यार्थी के भविष्य और राष्ट्र के ज्ञान-आधारित विकास की सबसे सुदृढ़ आधारशिला है।

(लेखक हरिचरण केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

कपड़े की उपयोगिता दिखावे के लिए नहीं

संत कबीर रोज अपने शिष्यों को और अन्य लोगों को उपदेश दिया करते थे। कबीर जी के उपदेश सुनने एक धनी व्यक्ति भी आता था। धनी व्यक्ति कबीर दास जी से बहुत प्रभावित था। एक दिन उस धनी व्यक्ति ने देखा कि कबीर दास जी जो कुर्ता पहनते हैं, वह बहुत पुराना हो गया और कुर्ता बहुत ही सामान्य कपड़े से बना था। अगले दिन धनी व्यक्ति एक मूल्यवान कुर्ता लेकर पहुंचा और कबीर दास को उपहार में दे दिया। कुर्ता मखमल से बना था। बाहर की ओर से कुर्ता मखमली था और अंदर की ओर उसमें सामान्य कपड़ा लगा था। धनी व्यक्ति ने सोचा था कि अब कबीर दास जी उसका दिया हुआ कुर्ता पहनेंगे। अगले दिन जब वह व्यक्ति फिर से कबीर दास जी के पास पहुंचा तो उसने देखा कि कबीर जी ने उल्टा कुर्ता पहना है। दरअसल, कबीर दास जी के कुर्ते का मलमल वाला हिस्सा अंदर की ओर था और बाहर सामान्य कपड़ा दिख रहा था। उस धनी व्यक्ति ने कबीर जी से पूछा कि ये आपने क्या किया? आपने तो कुर्ता उल्टा पहना है? सभी लोगों ने भी कबीर दास जी से पूछा कि कुर्ता मूल्यवान है तो आपने इसे उल्टा क्यों पहना है? कबीर जी ने कहा कि ये कुर्ता देखकर मैंने सोचा कि मखमल शरीर को स्पर्श होगा तो शरीर को ज्यादा बेहतर लगेगा, क्योंकि ये कपड़ा तो शरीर के लिए ही हैं। दिखाने के लिए तो साधारण हिस्सा ही काफी है। दूसरों को हमारे कपड़ों से क्या लेना-देना?



गर्व का पल

भारतीय खेलों के लिए गर्व का पल, जब हमारे युवा एथलीटों ने बेहदक मंच पर शानदार प्रदर्शन किया । बसंत का हाई जंप में भारत का पहला मेडल और शाहनवाज का बॉक्स मेडल, हमारे देश बलों के समर्पण, अनुशासन की मिसाल है।

- राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री

रोशनी की मशाल

सिस्टम की फैलाई गई अंधेरी फिजा के बीच, देश के छात्रों ने अपने जेठ का सामना किया और रोशनी की मशाल जलाई है। अब संसार आ गया है कि बीजेपी-आरएसएस और अजाने के सिस्टम को ‘टाट-बाय-बाय’ कठकर खत्म कर दिया जाए।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

‘हर घर तिरंगा’ अभियान

‘हर घर तिरंगा’ अभियान हर व्यक्ति तक देशभक्ति की भावना पहुंचाने का एक सरावत माध्यम बन रहा है। आइए, हम सब उत्साह के साथ इस अभियान से जुड़ें और ‘विकसित भारत’ के संकल्प को पूरा करने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

- नितिन नदीन, अध्यक्ष, भाजपा

कानून-व्यवस्था कमजोर

परिचय बंगाल में विपक्षी नेताओं को उसने और उन पर हमला करने के लिए वतावारी भारतीय जनता पार्टी ने जान-बूझकर कानून-व्यवस्था को कमजोर किया है। जैसे-जैसे मोदी सरकार की लोकप्रियता घट रही है, बीजेपी की हताशा बढ़ती जा रही है। -अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001
फोन- 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com

वेब-साइट : www.haribhoomi.com



अरिमता ने जीता कोरिया मास्टर्स, एक सप्ताह में भारत का दूसरा बीडब्ल्यूएफ खिताब



■ चालिहा ने चीन की चौथी वरीयता प्राप्त हान को 53 मिनट में दी मात

एजेंसी ►► आसन

भारत की अश्मिता चालिहा ने कोरिया मास्टर्स सुपर 300 बेडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल फाइनल में चीन की चौथी वरीयता प्राप्त हान कियान शी को हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीता।

असम की रहने वाली इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए विश्व में 35वें नंबर की खिलाड़ी हान को 53 मिनट तक चले मैच में 14-21, 21-14, 21-14 से हराया। इस तरह से भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार दूसरे सप्ताह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर का

यह अविश्वसनीय : अरिमता

विश्व रैंकिंग में 50वें स्थान पर कब्जिज चालिहा ने कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। यह अविश्वसनीय है लेकिन मैं इसे समझने की कोशिश कर रही हूँ। इसने मेरी आगे और भी कुछ हासिल करने की भूख बढ़ा दी है।' चालिहा ने कहा, 'पहले गेम में ड्रिफ्ट की वजह से थोड़ी मुश्किल हुई, इसलिए मैं इस पर नियंत्रण नहीं बना सकी लेकिन दूसरे गेम में दूसरी तरफ स्थिति बेहतर थी और ड्रिफ्ट कम थी, इसलिए मैं इसे नियंत्रित कर पाई। तीसरे गेम में 11 प्वाइंट के बाद, मैंने फिर से रणनीति बदली, इसलिए मैं बेहतर स्थिति में थी। मुझे खुशी है कि मैं यह कर पाई।

खिताब जीता। तन्वी शर्मा ने पिछले रविवार को ताइपे ओपन का खिताब अपने नाम किया था।

2024 में कोरिया ओपन में चोटिल हुई थी अरिमता

अश्मिता 2024 में कोरिया ओपन के दौरान चोटिल हो गई थी। उनके दाहिने घुटने में चोट लगी थी, जिसके लिए उन्हें सर्जरी करानी पड़ी। उन्होंने अगले साल फरवरी में वापसी की और 14 प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस साल उन्होंने बीडब्ल्यूएफ टूर पर शानदार वापसी करते हुए चाइना मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल और फिर मकाऊ ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

खबर संक्षेप

जूडोको अश्मिता का मल्ल स्वागत करेगी त्रिपुरा सरकार

अगरतला। त्रिपुरा सरकार ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेलों में जूडो में स्वर्ण



पदक जीतने वाली अश्मिता डे का अपने गृह राज्य का बुधवार से शुरू होने वाले दो दिवसीय दौरे के दौरान

भव्य स्वागत करेगा। अश्मिता राष्ट्रमंडल खेलों में जूडो में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की पहली खिलाड़ी हैं।

बैलेरेट ओपन स्ववाश में दूसरे स्थान पर रहीं सान्या नई दिल्ली। भारत की सान्या वत्स ने ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया में



खेले गए 3000 अमेरिकी डॉलर के पीएसए चैलेंजर इवेंट बैलेरेट ओपन स्ववाश में उपविजेता रही। दूसरी वरीयता प्राप्त सान्या महिला एकल के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की शीर्ष वरीयता प्राप्त सारा कार्डवेल से 6-11, 8-11, 6-11 से हार गई।



लेक्सिंगटन ओपन : फाइनल में अमेरिकी जोड़ी को हराया

पूनाचा और गोंजालो की जोड़ी ने जीता डबल्स टाइटल

एजेंसी ►► लेक्सिंगटन

भारत के निक्की कलियांडा पूनाचा और इक्वाडोर के गोंजालो एस्कोबार की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लेक्सिंगटन ओपन में मॅस डबल्स का खिताब अपने नाम किया।

पूनाचा और गोंजालो की जोड़ी ने एक सेट गंवाने के बाद बेहतरीन वापसी की। तीसरी वरीयता प्राप्त इस जोड़ी ने केंटकी के लेक्सिंगटन में खेले गए फाइनल में अमेरिकी जोड़ी आंद्रे इलागन और कार्ल पोलिंग को 6-7 (1), 6-3, 11-9 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। पूनाचा-गोंजालो को फाइनल मैच जीतने में एक घंटा और 42 मिनट का समय लगा। यह पूनाचा का 11वां एटीपी चैलेंजर डबल्स खिताब और 2026 सीजन का पांचवां खिताब था। एटीपी चैलेंजर सर्किट पर पूनाचा और एस्कोबार का यह साथ में पहला खिताब है।

पूनाचा-गोंजालो ने हासिल किए लगातार चार अंक

सुपर टाई-ब्रेक में, कोई भी जोड़ी दो अंकों से ज्यादा की बढ़त नहीं बना पाई और मुकाबला बराबरी का बना रहा। हालांकि, पूनाचा और एस्कोबार 7-9 के स्कोर के साथ हार के कगार पर थे। इसके बाद पूनाचा-गोंजालो की जोड़ी ने लगातार चार अंक हासिल करके मैच का पासा पलट दिया। इस दौरान उन्होंने दो मैच प्वाइंट बचाए और फिर शानदार वापसी करते हुए खिताब अपने नाम किया।



भारतीय-इक्वाडोरियन जोड़ी ने किया शुरुआती ब्रेक हासिल

पहले सेट में, भारतीय-इक्वाडोरियन जोड़ी ने चौथे गेम में शुरुआती ब्रेक हासिल किया, लेकिन सातवें गेम में अपनी सर्विस गंवाने के कारण वे पिछड़ गए। टाई-ब्रेक में, पूनाचा और एस्कोबार कोई जवाब नहीं दूँद पाए और पहले सेट को 6-7 से गंवा बैठे। इस जोड़ी ने दूसरे सेट में वापसी की और तीसरे गेम में ब्रेक हासिल किया। उन्होंने पूरे सेट के दौरान अपनी बढ़त बनाए रखी और फिर नौवें गेम में एक और निर्णायक ब्रेक हासिल करके मैच को सुपर टाई-ब्रेक तक पहुंचा दिया।

वॉर्म मैच : भारत ने 214 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया

जायसवाल की वापसी और सिराज का धमाका, श्रीलंका-11 पर आसान जीत

एजेंसी ►► कोलंबो

यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल की उपयोगी पारियों के बाद मोहम्मद सिराज के तूफानी अंदाज ने भारत को तीन दिवसीय अभ्यास मैच में श्रीलंका क्रिकेट एकादश पर 6 विकेट से शानदार जीत दिला दी।

जीत के लिए 207 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 45 ओवर में 4 विकेट पर 214 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। सिराज ने महज 15 गेंदों में लगातार 3 छक्कों की मदद से नाबाद 32 रन ठोके। पहली पारी में खाता खोले बिना आउट होने वाले जायसवाल ने दूसरी पारी में जोरदार वापसी की। उन्होंने केवल 46 गेंदों पर 61 रन की तेजतरंगी पारी खेली।

कप्तान गिल ने वापसी करते हुए बनाए 44 रन

लक्ष्य का पीछा करते हुए जायसवाल और गिल ने पहले विकेट के लिए 105 रन की आक्रामक साझेदारी कर भारत को तेज शुरुआत दिलाई। जायसवाल अर्धशतक पूरा करने के बाद रिटायर्ड हुए, ताकि टीम के अन्य बल्लेबाजों को भी अभ्यास का पर्याप्त मौका मिल सके। अंगुली की चोट के कारण मैच के शुरुआती दो दिन मैदान से बाहर रहे कप्तान गिल ने वापसी करते हुए 44 रन बनाए। वह स्पिनर केशव नुवांथा की गेंद पर आउट हुए। गिल की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी भारत के लिए श्रीलंका के खिलाफ आगामी पहले टेस्ट से पहले बड़ी सकारात्मक खबर रही। ध्रुव जुरेल ने 17 रन का योगदान दिया, जबकि ऋषभ पंत ने धैर्यपूर्ण 28 रन की पारी खेली। एक समय भारत का स्कोर तीन विकेट पर 155 रन हो गया था। निचले क्रम के बल्लेबाजों ने अंतिम सत्र में जीत की ओपचारिकता पूरी की, जहां सिराज के बल्ले से अंतिम ओवर में लगे लगातार 3 छक्कों ने भारतीय खेमे का पूरा मनोरंजन किया।



पंत ने खेली 21 डॉट बॉल

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के साथ प्रैक्टिस मैच की दूसरी पारी में काफी नाटकीय बैटिंग की। उन्होंने पहली पारी में सस्ते में निपटने के बाद दूसरी पारी में खाता खोलने के लिए 22 गेंद लीं। पंत ने छक्के के साथ खाता खोला और इस तरह का शॉट लगाया कि गेंद मैदान से बाहर चली गई और खो गई। इससे पहले उन्होंने, जो 21 गेंद खेली थी उनमें कोई भी स्कोरिंग शॉट नहीं था। पंत का यह बैटिंग का अनोखा तरीका रहा। इससे पहले कभी वे ऐसे नहीं खेले।



नंबर 1 सबालेंका को हराकर अलेक्जेंड्रोवा ने किया उलटफेर

एजेंसी ►► टोरंटो

कनाडा ओपन से बाहर होने वाली शीर्ष 5 खिलाड़ियों में बेलायूस की टेनिस प्लेयर आर्यना सबालेंका का नाम भी जुड़ गया है। 19वीं रैंकिंग वाली रूस की एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा ने दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी को 7-6 (3), 4-6, 6-4 से हराया। यह मुकाबला दो घंटे 29 मिनट तक चला।

इस जीत के साथ ही अलेक्जेंड्रोवा ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। दोनों खिलाड़ियों के बीच अंतिम 16 के मुकाबले में कड़ी टक्कर देखने को मिली। यह अलेक्जेंड्रोवा की दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी के खिलाफ तीसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने इगा स्विनातेक (मियामी 2024) और सबालेंका (दोहा 2025) को हराया था। यह उनका छठा डब्ल्यूटीए 1000 क्वार्टर फाइनल है और दोहा 2025 के बाद पहला मौका है जब वह इस स्टेज तक पहुंचने में सफल रही हैं।

कनाडा ओपन : 19वीं रैंकिंग वाली एकातेरिना ने बनाई फाइनल में जगह



अलेक्जेंड्रोवा ने टाई-ब्रेकर में जीता पहला सेट

दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे की सर्विस तीन-तीन बार तोड़ी, जिसके बाद अलेक्जेंड्रोवा ने टाई-ब्रेकर में पहला सेट जीता। सबालेंका ने सेट में मिले एकमात्र ब्रेक प्वाइंट को गुनाकर दूसरा सेट अपने नाम किया और मुकाबला बराबरी पर ला दिया। तीसरा सेट भी पहले सेट जैसा ही रहा, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने कड़े मुकाबले के दौरान कई बार एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी। अलेक्जेंड्रोवा ने चार बार की वैंड स्लैम विजेता की हार की कगार पर पहुंचा दिया और सबालेंका को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए 5-4 के स्कोर पर सर्विस करनी पड़ी।

लक्ष्मण ने किया चोटिल प्लेयर्स का बचाव कहा- क्रिकेटर कोई 'मशीन' नहीं

एजेंसी ►► बेंगलुरु

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बोसोपीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) का पुरजोर तरीके से बचाव करते हुए इसके प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने कहा कि खिलाड़ियों की चोट से उबरने की धीमी प्रक्रिया के लिए केंद्र को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है।

उन्होंने कहा कि क्रिकेटर कोई 'मशीन' नहीं हैं, जिनकी फिटनेस हर बार तय समयसीमा के भीतर लौट आए। लक्ष्मण ने यह भी स्पष्ट किया कि सीओई और टीम प्रबंधन के बीच बेहतरीन और निर्बाध समन्वय है। लक्ष्मण ने कहा कि कड़े फिटनेस मानकों और मानव शरीर



की प्रकृति को देखते हुए किसी खिलाड़ी का एक निश्चित समयसीमा में पूरी तरह फिट हो जाना हमेशा संभव नहीं होता। उन्होंने कहा, 'यह समझना बहुत जरूरी है कि दिशानिर्देश और समयसीमा हमारी अपेक्षाओं के आधार पर तय की जाती है।

सीओई फिटनेस हासिल करने का केंद्र नहीं

फिलहाल तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, हरफनमौला हर्षित राणा, हार्दिक पांड्या, वॉशिंगटन सुंदर और शीर्ष क्रम के बल्लेबाज बी. साई सुदर्शन अपनी-अपनी चोटों से उबरने के लिए सीओई में हैं। लक्ष्मण ने सीओई में कहा, 'सीओई सिर्फ चोट से उबरने और फिटनेस हासिल करने का केंद्र नहीं है। क्रिकेटर्स को उत्कृष्टता हासिल करने में मदद करने के लिए इसकी भूमिका इससे कहीं बड़ी है। इसलिए हम चोटों के मामले में 'दोष' शब्द का इस्तेमाल करना पसंद नहीं करते। ऐसा करने पर किसी एक व्यक्ति को बलि का बकरा बनाया जाता है।

जब घुटना, कंधा या कमर दर्द सताए तो आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट ही अपनाएं

‘डा. ऑर्थो स्ट्रांग तेल’ आज ही ले आएं



घुटना दर्द कंधा दर्द कमर दर्द कलाई दर्द



यहाँ से भी खरीदें

amazon | Flipkart | blinkit | zepto

अब दर्द भी घुटने टेकेगा...

10 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों व सत्वों के योग से निर्मित डा. ऑर्थो स्ट्रांग तेल जोड़ों के अंदर तक समाकर दर्द को कम करने में विशेष सहायता करता है। मात्र 8-10ml तेल दिन में सिर्फ एक या दो बार हल्के हाथों से पीड़ित अंग पर मालिश करें। आयुर्वेदिक होने के कारण इसका प्रभाव अल्पकालिक नहीं लम्बे समय तक बना रहता है।

Dr. Juneja's

डा. ऑर्थो

Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment

24x7 Helpline: 7876977777 • www.drorthooil.com

Clinically Tested*



*For efficacy and safety.



‘ऑपरेशन सिंदूर’ के बाद अब ‘रक्तदान’ का संकल्प जवानों के लिए खून की कमी नहीं होने देंगे : राजनाथ

एजेसी ►► नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में ‘सिंदूर आर्मी महा ब्लड डोनेशन यात्रा’ के दूसरे वर्ष के अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिस्सा लिया और रक्तदान को सैनिकों के प्रति देश की जिम्मेदारी से जोड़ा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने जहां भारत के पराक्रम को दिखाया, वहीं यह रक्तदान अभियान देश की करुणा और संवेदनशीलता का प्रतीक है। राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर वीरता के एक आयाम का प्रतीक था, जबकि सिंदूर रक्तदान

ऑपरेशन सिंदूर ने देश का शौर्य दिखाया, अब रक्तदान अभियान सेवा और संवेदना की मिसाल बन रहा है। देश के लिए घायल हर जवान तक समय पर खून पहुंचना चाहिए

समारोह को संबोधित करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

सीमा पार दुश्मनों को दिया करारा जवाब

रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने सीमा पार जाकर उन लोगों को करारा जवाब दिया, जिन्होंने देश के बच्चों पर हाथ उठाने की हिम्मत की थी। उन्होंने कहा कि उस समय भारतीय सशस्त्र बलों ने अपने साहस और पराक्रम का परिचय दिया। अब देश के भीतर रक्तदान के जरिए सैनिकों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का समय है।

जान पर खेलकर देश की रक्षा करते हैं जवान

राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारे जवान जान पर खेलकर देश की रक्षा करते हैं। इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश की सेवा करते हुए घायल होने वाला कोई भी सैनिक खून की कमी के कारण परेशानी में न पड़े। उन्होंने सैनिकों के प्रति सम्मान और सेवा का माध्यम बताया। उनका कहना था कि देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों के लिए नागरिकों का यह योगदान बेहद महत्वपूर्ण है।

पीओके में तीसरे चरण की वोटिंग टली

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 10 अगस्त सोमवार को होने वाली वोटिंग टल गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लगातार ठो रहे प्रदर्शन के चलते यह चुनाव अनिश्चितकाल के लिए टाल दिए गए हैं। पीओके में कुल 45 सीटें हैं जिन पर चुनाव हो रहा है। इससे पहले दो चरणों में शहबाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने कुल 24 सीटें जीतीं। इसके बाद पीएमएल-एन का पीओके में सरकार बनाना तय था। लेकिन तीसरे चरण की 11 सीटों पर चुनाव अब टल गया है। पीओके में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के दौरान हिंसा भड़क गई। अलग-अलग घटनाओं में कम से कम 19 लोगों की मौत होने की खबर सामने आई थी। चुनावी धांधली के आरोपों और सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच कई मतदान केंद्रों पर झड़पें भी हुईं।

जब तक पीएम फिलिस्तीन देश नहीं बनेगा: नेतन्याहू

यरूशलेम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेन्जामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि जब तक मैं प्रधानमंत्री हूं, फिलिस्तीन देश नहीं बनेगा। उन्होंने गाजा से इजराइली सेना को हटाने से इनकार किया और कहा कि इजराइल हमसस को दिखावटी तौर पर नहीं, बल्कि वास्तव में खत्म करना चाहता है। उन्होंने कहा कि इजराइल ट्रम्प के बोर्ड ऑफ पीस के 15 पॉइंट-प्लान को खारिज करता है। इजराइली सेना तब तक वापस नहीं आएगी, जब तक हमसस को निहत्था नहीं कर दिया जाता। नेतन्याहू ने कैबिनेट बैठक में उन दावों को खारिज किया, जिनमें कहा गया था कि इजराइल ने ट्रम्प का गाजा प्लान मान लिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 30 जुलाई को दावा किया था कि गाजा में हमसस और इजराइल के बीच एक बड़ा समझौता हुआ है।

प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी पर शिकंजा

यूपीए मामले में 26 ठिकानों पर छापा दस्तावेज व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त

एजेसी ►► सोपौर

प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) से जुड़े यूपीए मामले की जांच के तहत सोपौर पुलिस ने रविवार को पुलिस जिला सोपौर में 26 स्थानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। ये तलाशी जेईआई के नेताओं, सदस्यों और कार्यकर्ताओं से जुड़े बवासीय एवं अन्य परिसरों में की गई। अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों से आपत्तिजनक दस्तावेज, साहित्य और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद कर जब्त किए गए हैं। जब्त सामग्री की जांच की जा रही है ताकि प्रतिबंधित संगठन से जुड़े अन्य लोगों गतिविधियों और संभावित नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जा सके।

हालिया आतंकी हमलों को लेकर पुलिस की कार्रवाई सोपौर शहर के साथ बोमाई, तारजू, शुतलु, रोहामा, गोरीपोरा और बहरामपोरा जैसे कई गांवों में तलाशी ली

संभावित नेटवर्क की जुटाई जा रही जानकारी अब तब सैकड़ों से पूछताछ कर चुके हैं सुरक्षा बल

गैर कानूनी काम करने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, महत्वपूर्ण जानकारी की संभावना

घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की भी खंगाला जा रहा

छापामारी के दौरान अलमारियां भी खंगाली गईं

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सोपौर शहर के साथ-साथ बोमाई, तारजू, शुतलु, रोहामा, गोरीपोरा और बहरामपोरा जैसे कई गांवों में घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की तलाशी ली जा रही है। यह ऑपरेशन सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स की मदद से चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि ये तलाशी अभियान गैर-कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूपीए) के तहत चल रही जांच का हिस्सा है। हालांकि, अभी तक कोई भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। साल 2019 में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यूपीए के तहत जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध लगा दिया था और उसे एक गैर-कानूनी संगठन घोषित किया था। यह कार्रवाई संगठन के कथित अलगाववादी और आतंकी संबंधों की वजह से की गई थी। पुलिसवाला हमले के बाद यह कदम उठाया गया था। गृह मंत्रालय ने फरवरी 2024 में इस प्रतिबंध को और पांच साल के लिए बढ़ा दिया।

पहले जल्द मौत का दावा किया गया था मुजतबा का जंग के बाद पहला वीडियो लोगों से बात करते नजर आए सुप्रीम

►► **यह भी दावा था कि ईरानी सुप्रीम लीडर तेहरान में नहीं थे**

एजेसी ►► तेहरान

ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खाइमेनेई का जंग के बाद पहली बार वीडियो सामने आया है। ईरानी न्यूज एजेंसी मेहर ने यह वीडियो जारी किया है। इसमें मुजतबा जमीन पर बैठे लोगों के बीच उनसे बातचीत करते नजर आ रहे हैं। सुप्रीम लीडर बनने के बाद यह उनका पहला वीडियो है। हालांकि, वीडियो कब

रिकॉर्ड किया गया, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। पिछले कुछ दिनों से मुजतबा की सहेल को लेकर कई तरह के दावे किए जा रहे थे। इजराइली चैनल 14 ने उनकी हालत गंभीर होने और अस्पताल में भर्ती होने का दावा किया था। यहां तक कहा गया था कि उनकी जल्द मौत हो सकती है।

पीजी हॉस्टल की छत पर स्टूडेंट से रेप

अहमदाबाद। अहमदाबाद के आनंदनगर में एक पीजी हॉस्टल की छत पर स्टूडेंट से रेप किया गया। घटना शनिवार रात की है, जब युवती रात 10 बजे छत पर टहल रही थी। तभी आरोपी गार्ड भी छत पर पहुंचा उसने युवती को पहले गला

दबाया फिर रेप किया। पीड़ित इंटीरियर डिजाइनिंग की पढ़ाई कर रही है और एक साल से इसी सोसायटी के पीजी हॉस्टल में रह रही थी। वहीं, आरोपी को सोसाइटी में सुरक्षा गार्ड की नौकरी शुरू किए सिर्फ चार दिन ही हुए थे। आरोपी को रविवार सुबह अरेस्ट कर लिया।

लापता तीन मछुआरों की तलाश जारी, जल्द लौटने की आस

एजेसी ►► तिरुवनंतपुरम

केरल के कोल्लम और तिरुवनंतपुरम जिलों में अलग-अलग नौका हादसों के बाद लापता हुए तीन मछुआरों की तलाश में जारी अभियान में रविवार को भारतीय नौसेना भी शामिल हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रक्षा प्रवक्ता ने एक बयान में बताया कि आईएनएस कल्पेनी शनिवार रात कोच्चि से तलाश अभियान के लिए रवाना हुआ। रविवार सुबह यह पोत नंदकरा से करीब एक समुद्री मील दूर लंगर डाले हुए था। बयान में कहा गया, जहाज पर भारतीय नौसेना की एक विशेष गोताखोर टीम मौजूद है। गोताखोरी के स्थान को और सटीक

रूप से तय करने के लिए समुद्री प्रवर्तन शाखा से संपर्क किया गया है। समुद्री प्रवर्तन विभाग की एक नौका भी जहाज के आसपास मौजूद है। अधिकारियों ने बताया कि आईएनएस कल्पेनी से नौसेना के गोताखोरों ने रविवार पूर्वाह्न करीब 10 बजे समुद्र में तलाश शुरू की तटीय पुलिस, मत्स्य विभाग की समुद्री प्रवर्तन शाखा और तटरक्षक बल के संयुक्त तलाश अभियान का रविवार को 10वां दिन है।

स्वतंत्रता दिवस के लिए लाल किला अमेघ किलेबंदी में हो रहा तब्दील

20,000 जवान,1000 कैमरे और बड़ी संख्या में ड्रोन रखेंगे नजर

एजेसी ►► नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस के लिए दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था को काफी मजबूत कर दिया गया है। विशेषकर लाल किला के आस-पास सुरक्षा को काफी चाक-चौबंद कर दिया गया है। 20 हजार जवानों की तैनाती और एक मल्टी लेयर सर्विलांस नेटवर्क तैयार किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस के दिन यही से भाषण देने वाले हैं। लाल किला और उसके आस-पास हाई टेक सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस की अलग-अलग यूनिट, अर्धसैनिक बल, कमांडो और

एनएसजी टीमों को तैनात किया गया है। यही नहीं स्नाइपर्स और स्पेशल हिट टीम भी तैनात हैं। इसके साथ ही 1,000 सीसीटीवी कैमरा, फेशियल रिकग्निशन सिस्टम और नंबर प्लेट डिटेक्शन सिस्टम तैनात किया गया है। डीसीपी नॉर्थ राजा बाटियां ने बताया कि सुरक्षा के इंतजाम के तहत ट्रैफिक यूनिट से दिल्ली पुलिस के जवान, नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट टीम, स्थानीय पुलिस, पीसीआर, स्पेशल ब्रांच और स्पेशल सेल और सामान्य सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं। उन्होंने बताया इन सभी डिविजन के जवान तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही अर्धसैनिक बलों की कई कंपनियां, कमांडो और एनएसजी टीम जिसमें हिट टीम और

फेशियल सिस्टम और नंबर प्लेट डिटेक्शन सिस्टम तैनात किया

एंटी ड्रोन सिस्टम लगाए हैं ताकि ड्रोन खतरे से निपटा जा सकेगा

रिकग्निशन सिस्टम का भी इस्तेमाल

हर एक जगह की ली जा रही तलाशी

पुलिस ने जल्दरतों के आधार पर अलग-अलग जगहों पर वीडियो एनालिटिक्स जैसे फेशियल रिकग्निशन सिस्टम, नंबर प्लेट रिकग्निशन और इंटरजन डिटेक्शन सिस्टम लगाए हैं। राजा बाटियां ने बताया कि इनके अलावा कुछ पुलिसकर्मी ऐसे भी तैनात हैं जिनके शरीर पर कैमरा लगे हुए हैं। इसके अलावा एंटी ड्रोन सिस्टम लगाए गए हैं जिससे किसी भी ड्रोन खतरे की स्थिति से निपटा जा सके। सोशल मीडिया पर होने वाली बातचीत पर भी लगातार नजर रखी जा रही है। हम हर तरह से पूरी तरह तैयार हैं। सभी तरह की बांफिंग और ट्रेनिंग सेशन पूरे हो चुके हैं।



Roop Mantra CUCUMBER Ayurvedic Hydrating Facewash

स्वस्थ एवं उज्ज्वल त्वचा के लिए

NEW

Dr. Juneja's

रूप मंत्रा

Ayurvedic Face Cream & Face Washes



- Paraben Free
- Alcohol Free
- Steroids Free
- Silicon Free
- Mineral Oil Free

Clinically Tested*

*For efficacy and safety.



Roop Mantra NEEM, MIX FRUIT, CUCUMBER, ALOEVERA, LIME & MINT Ayurvedic Hydrating Facewash

24x7 Helpline No.: 87258 98668
www.roopmantra.com
Available at all medical & general stores

हरिभूमि कम्प्यूटेशनल प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस प्रिन्टिंग स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 2742020, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28